अनुसन्धाननिमित्तं शोधक्षेत्राणि विषयाश्च

अनुसन्धान हेतु सम्भावित विषय / क्षेत्र

1) **पाण्डुलिपिग्रन्थ**

i. संपादन सिद्धांतों और नियमों के अनुरूप महत्वपूर्ण संपादन।
ii. प्रकाशित और अप्रकाशित पांडुलिपियों की आलोचनात्मक समीक्षा।
iii. एकल उपलब्ध पांडुलिपि का आलोचनात्मक संस्करण तैयार करना।
iv. संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में अनुवाद के साथ विशेष संस्करण।
v. आईपीआर और पेटेंट के रूप में प्राप्त पांडुलिपियों को साझा करना, एकत्र करना, खरीदना, डिजिटाइज़ करना और स्वीकार करना - ये सभी कार्य गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज में किए जाएंगे।

अनुसन्धेय विषय

a) अप्रकाशित पाण्डुलिपिग्रन्थों का सम्पादन
Science texts In Sanskrit in the manuscript's repositories of kerala and Tamilnadu
Published by Rashtriya Sanskrit Sansthan Delhi
Census of the Exact Sciences in Sanskrit . (Philadelphia, American Philosophical Society).
David E. Pingree (1970–1994) Jyotihsastra-Astral-Mathematical-Literature-History/
Catalogue-Sanskrit-Manuscripts-Columbia-l

1)

2. भारतीय ज्ञान परंपराएं और उनका अनुप्रयोग

i. भारतीय ज्ञान परंपराओं की सबसे समृद्ध परंपराओं के संदर्भ में समकालीन समस्याओं, चुनौतियों और मुद्दों पर शोध।
ii. भारतीय ज्ञान परंपराओं से संबंधित कुछ शोधों की अपेक्षा की जाती है | भारतीय ज्ञान परंपराओं से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में सम्पत्स्यमान वैज्ञानिक और मौलिक अनुसंधान नए सिद्धांतों की ओर ले जाते हैं।
iii. भारतीय ज्ञान परंपराओं के इन सरोकारों और क्षेत्रों पर केंद्रित सहसंबद्ध अनुसंधान करना।
iv. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकताएं प्राचीन इतिहास, पुरातत्व, संग्रहालय विज्ञान, वैदिक कृषि, दवाओं की परंपरा, स्वास्थ्य देखभाल आदि से संबंधित अनुसंधान हैं।

v. **अन्य शास्त्रीय अनुशासन से संबंधित कोई भी विषय** - संस्कृत ज्ञान प्रणाली की संबद्ध शाखाओं पर अंतःविषय और बहु-विषयक अनुसंधान।

vi. **संस्कृत भाषा का आलोचनात्मक प्रवचन विश्लेषण** - अन्य भारतीय और विदेशी भाषाओं के साथ संस्कृत भाषा का विश्लेषण जो समेधमान अंतःविषय अनुसंधान आंदोलन पर आधारित है

vii. **सूचना और संचार प्रौद्योगिकी आधारित विषय और क्षेत्र** - कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान और पारंपरिक अध्ययन, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, तकनीकी प्रयोग आधारित अनुसंधान, यानी संस्कृत ज्ञान प्रणाली के सीखने और अभीष्टरीति से उपयोग के लिए तकनीकी संसाधनों का विकास, उपकरणों और सॉफ्टवेयर का विकास।

अनुसन्धेयविषयाः / शोधक्षेत्राणि विषयाश्च

1) भारतीयगणितपरम्परायाः तत्त्वानां साम्प्रतिकगणितशास्त्रोपादेयता
2) आधुनिकगणितशाखानां बीजभूतं भारतीयगणितम्
3) धातुवादात् धातुशास्त्रम्
4) श्रौतकर्मकाण्डे प्रयुज्यमानानि पात्राणि यन्त्राणि रसायनशास्त्रोद्बलकानि
5) पाणीनीयं काणादञ्च सङ्गणकशास्त्रोपकारकम्
6) वाग्यन्त्रे आधुनिक-उपकरणमाध्यमेन अक्षराणां स्थाननिर्धारणम्।
7) भिन्नभिन्नाक्षराणां कृते स्थानानां तथा vocal cords आदीनां मैपिंग।
8) वेदध्वनीनां वातावरणे प्रकम्पनस्य मापनं तथा तेषां वातावरणे प्रभावः।
9) ध्वनिविज्ञानस्य प्राचीनसिद्धान्तैः आधुनिक-मोबाइल आविर्भावस्य सम्भावना
10) विविध प्राकृतों में अलग-अलग प्रकार के ध्वनिपरिवर्तन के उत्तरदायी वाग्यन्त्रों का भौतिक वैज्ञानिक अध्ययन।
11) प्राचीनभारतस्य प्रथमशताब्द्याः आरभ्य १२ शताब्दीपर्यन्तम् भारतस्य भौगोलिकविस्तृतिः
12) बौद्धवाङ्मये वर्णितमनोवैज्ञानिकतत्त्वानां समीक्षात्मकमनुसन्धानम्।
13) प्राचीनभारतस्य प्रथमशताब्द्याः आरभ्य १९ एकोनविंशशताब्दीपर्यन्तम् विद्यमानलघूद्योगानामध्ययनम्
14) भारतस्य द्वादशशताब्द्याः आरभ्य २१ एकविंशशताब्दीपर्यन्तम् धार्मिकजनसाङ्ख्यकीयपरिवर्तनम् ।
15) प्राचीनभारतस्य ग्रन्थालयाः तेषां परम्परा
16) संस्कृतवाङ्मये विद्यास्थानानि
17) भारतस्य प्राणाचार्याः तेषां प्राणविद्या
18) उपलब्धाभिलेखानां शिलालेखानां ताम्रशासनानां नवीनतन्त्रज्ञानालोके नूत्नव्याख्या/ समीक्षा
19) महाभारते रामायणे च प्राप्त ज्योतिषीयप्रमाणानां नवीनतन्त्रज्ञानालोके नूत्नव्याख्या/ समीक्षा
20) प्राचीनभारतस्य आर्थिकसमृद्धेः कारकतत्त्वानां समीक्षात्मकमध्ययनम्
21) काश्मीरसंस्कृताचार्यपरम्परा तेषां कृतयश्च
22) काश्मीरराजवंशपरम्परा शासनकालश्च
23) प्राचीनभारते नौविद्या
24) पाकशास्त्रे वर्णितभोज्यपदार्थेषु पौष्टिकता

25) आहारचर्यया आरोग्यम् आर्थिकसमृद्धि
26) वैदिककर्मकाण्डेषु दीक्षा तस्य मानवनिर्माणे औचित्यम्
27) पाणिनिव्याकरणं गणितम्
28) पाणिनिव्याकरणं भूगोल:
29) पाणिनिव्याकरणं समाजशास्त्रम्
30) पाणिनिव्याकरणं गोत्रपरम्परा
31) पाणिनिव्याकरणस्य गणपाठस्याध्ययनम्
32) भारतीयधातुशास्त्रपरम्परा
33) वैश्विकपञ्चाङ्गानां कालक्रमिकविवेचनात्मकतुलनात्मकमध्ययनम्
34) वैज्ञानिकपारिभाषिकपदानां मूलं प्रवृत्तिनिमित्तम्- एकमध्ययनम्
35) पाणिनिव्याकरणरचनोपायानां सङ्गणकरचनोपायानां च विवेचनात्मकतुलनात्मकमध्ययनम्
36) योगसमाधिना सर्जनशीलता – प्रयोगात्मकमध्ययनम्
37) ध्यानस्य अधिगमोपलब्धौ प्रभावस्य अध्ययनम्
38) आहारसेवनम् औषधीसेवनम् आयुर्वेददिशा एकमध्ययनम्
39) पाश्चात्यसाहित्यमाध्यमेन भारतीयविज्ञानस्य विश्वयात्रा – एकमध्ययनम्
40) पाश्चात्यसाहित्यमाध्यमेन भारतीयगणितस्य विश्वयात्रा – एकमध्ययनम्
41) आनन्दमयजीवनाय सद्वृत्तस्वस्थवृत्तयो: उपादेयता
42) भारतीयकालगणनाया: विसङ्गतिं निवारयितुम् अभिलेखानां ताम्रशासनानामुपयोगिता

3. भारतीय ज्ञान परंपराओं की आलोचनाओं की पुन:समीक्षा

i. भारतीय शास्त्रीय साहित्य की समीक्षा।
ii. औपनिवेशिक दृष्टिकोणों द्वारा निर्मित सिद्धांतों का प्रचारितविचारों का मूल्यांकन।
iii. आधुनिक टीकाकारों और विद्वानों द्वारा पूर्व प्रकाशनों और प्रवर्तितमतों की आलोचना।

अनुसन्धेय विषय / शोधक्षेत्राणि विषयाश्च

1) पाश्चात्यविद्वत्प्रणीतभारतीयसाहित्यस्य समीक्षा
2) शास्त्रालोके आर्याक्रमणसिद्धान्तस्य समीक्षणम्
3) वैदिकदेवता: ग्रिकदेवता: अन्य सभ्यताया: देवता एतासां साम्यवैषम्यसमीक्षणम्
4) वैदिकसोम – एकमध्ययनम्

4. ऐतिहासिक, वर्णनात्मक और प्रायोगिक अनुसंधान

i. शैक्षिक अनुसंधान का मुख्य अवधान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर होना चाहिए। शैक्षिक अनुसंधान के क्षेत्रों को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, नए पाठ्यचर्या, शैक्षणिक प्रयोग और संस्कृत शिक्षण-अधिगम प्रथाओं को बढ़ाने के रूप में स्वीकार किया जा सकता है, जो सीधे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से जुड़े हुए हैं।

ii. मातृभाषा को शिक्षणमाध्यम के रूप में निश्चित करने से इस परिवर्तमान नए प्रतिमान और शिक्षण-अधिगम प्रथाओं पर इसके प्रभाव से शैक्षिक अनुसंधान को निपटना चाहिए, जिसके परिणामस्वरूप संस्कृत शिक्षा में नई संभावनाएं और नवाचार भी होगा।

iii. ऐतिहासिक शैक्षिक अनुसंधान को भारत के प्राचीन भारतीय इतिहास और शैक्षिक प्रणालियों से संबंधित होना चाहिए। इन शैक्षिक घटनाओं का अध्ययन करने के लिए गुणात्मक शोध पद्धति को अपनाया जाना चाहिए।

iv. सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं को समझने के लिए संस्कृत और संस्कृत शिक्षा के रुझानों, चुनौतियों, समस्याओं और मुद्दों को समझने हेतु वर्णनात्मक सर्वेक्षण-आधारित शोध हो ।

v. प्रायोगिक शैक्षिक अनुसंधान को मानविकी और विज्ञान विषयों को पढ़ाने के लिए शिक्षण पद्धतियों, विशेष रूप से भारतीय अनुसन्धान पद्धतियों से निपटना चाहिए। इसी तरह, भारतीय शोध पद्धतियों को विकसित करने के लिए कुछ अध्ययनों को प्रोत्साहित, अनुशंसित और समर्थन किया जाना चाहिए।

अनुसन्धेय विषय / शोधक्षेत्राणि विषयाश्च

1) संहिताग्रन्थानां शास्त्रपरम्पराया: ऐतिहासिकानुसंधानम्/ शैक्षिकानुसंधानम्
2) चतुर्णां बौद्धसंगीतीनां ऐतिहासिकानुसंधानम्/ शैक्षिकानुसंधानम्
3) शास्त्राविर्भावस्य शास्त्ररचनाया: ऐतिहासिकानुसंधानम्/ शैक्षिकानुसंधानम्
4) शास्त्ररचनापद्धते: शास्त्रव्याख्यानपद्धतेश्च ऐतिहासिकानुसंधानम्/ शैक्षिकानुसंधानम्
5) दशग्रन्थिपरम्परा – एकं व्यक्तिवृत्तमध्ययनम् Case Study
6) गोत्रपरम्परा जातिव्यवस्था च – एकं समीक्षात्मकमध्ययनम्
7) प्राचीनभारतीयविश्वविद्यालयानाम् ऐतिहासिकानुसंधानम्/ शैक्षिकानुसंधानम्
8) प्राचीनभारतस्य प्रथमशताब्द्या: आरभ्य २१ एकविंशशताब्दिपर्यन्तम् आर्थिकसर्वेक्षणम्
9) आयुर्वेदसाहित्यस्य सर्वेक्षणात्मकमनुसन्धानम्
10) संस्कृतशास्त्रेषु अनुसन्धानपद्धतय:
11) संस्कृताचार्यपरम्परा तेषां कृतयश्च
12) तन्त्रयुक्तय: तासां शिक्षाशास्त्रोपादेयता
13) संस्कृतशास्त्रेषु अधिगमसम्बद्धविषया:

14) हेमचन्द्रसंस्कृतगुरुकुलस्य पाठ्यक्रमः शिक्षणपद्धतिश्च
15) भाषाचिह्नानि गणितचिह्नानि विज्ञानविकासे सोपानानि एकमध्ययनम् कोडिंगनिमित्तम् आधारभूतानि
16) वैदिकवाङ्मये मनोविज्ञानम् –
17) बौद्धवाङ्मये मनोविज्ञानम् –
18) म्यक्डुगलमूलप्रवृत्तयः साहित्यिकस्थायिभावाः
19) सद्वृत्तम् स्वस्थवृत्तम् आभ्याम् शैक्षणिकोपलब्धेः प्रयोगात्मकाध्ययनम्
20) पाणिनिव्याकरणप्रविधयः यन्त्रभाषाशिक्षणम्Machine teachine/learning
21) पाणिनिव्याकरणे कृत्रिमसंज्ञाविधानम्
22) संस्कृतसाहित्ये जलप्रबन्धनं जलसंरक्षणम्
23) संस्कृतवाङ्मये राजनीतिशास्त्रम्
24) संस्कृतवाङ्मये नगररचना, प्रासादरचना, मन्दिररचना
25) यज्ञचिकित्साविज्ञानम्
26) सूर्यमन्दिराणां ज्योतिषशास्त्रदृशाध्ययनम्
27) कतिपयायुर्वेदयोगानां प्रयोगात्मकाध्ययनम्
28) संस्कृतवाङ्मये परामर्शविज्ञानम्
29) बृहत्संहितायां वर्णितसुगन्धिद्रव्यानां प्रयोगात्मकाध्ययनम्
30) संस्कृतवाङ्मये वज्रलेपविज्ञानम्
31) नीलमतपुराणनीलमतपुराणराजतरङ्गिण्यालोके कश्मीरस्य सांस्कृतिकदर्शनम्
32) नीलमतपुराणनीलमतपुराणराजतरङ्गिण्यालोके कश्मीरस्य धार्मिकदर्शनम्
33) नीलमतपुराणनीलमतपुराणराजतरङ्गिण्यालोके कश्मीरस्य सामाजिकदर्शनम्
34) नीलमतपुराणराजतरङ्गिण्यालोके कश्मीरस्य भौगोलिकदर्शनम्
35) नीलमतपुराणराजतरङ्गिण्यालोके कश्मीरस्य शैक्षिकदर्शनम्
36) नीलमतपुराणराजतरङ्गिण्यालोके कश्मीरस्य सांस्कृतिकदर्शनम्
37) नीलमतपुराणराजतरङ्गिण्यालोके कश्मीरस्य साहित्यिककदर्शनम्
38) कश्मीरप्रदेशे लिखिता रचिता समग्रसंस्कृतसाहित्यसूची
39) शारदापीठम् इत्यस्य शैक्षिकपरम्परायाःअध्ययनम्
40) पाश्चात्त्यबौद्धविदुषां साहित्ये भारतीयशास्त्राणां प्रभावः उद्धरणानि च